an>

Title: Need to declare the historical Ghantaghar in Meerut as a protected monument and undertake its repair and maintenance.

श्री राजेन्द्र अग्रवाल (मेरठ): महोदय, धन्यवाद ।

मेरठ में यहाँ का ऐतिहासिक घंटाघर मेरठ की प्रमुख पहचानों में से एक है । लगभग 250 वर्ष पूर्व पुराने तथा जर्जर हो गए दरवाजे के स्थान पर सन 1900 में इसे बनाने का निर्णय लिया गया । विशाल घंटाघर के ले-आउट प्लान पर मेरठ में कार्यरत अंग्रेज अधिकारी एकमत नहीं थे, परन्तु गवर्नमेंट स्कूल के पूर्व अध्यापक तथा तत्कालीन टाउन एरिया के अधिकारी श्री गजराज सिंह ने इस कार्य को सफलतापूर्वक सम्पादित किया तथा सन 1914 में घंटाघर सम्पूर्ण रूप से बनकर तैयार हो गया । देश की आजादी के पश्चात से यह भव्य घंटाघर नेताजी सुभाष चंद बोस द्वार के नाम से प्रसिद्ध है ।

महोदय, 100 वर्ष से भी अधिक पुराने मेरठ के इस घंटाघर की भव्य इमारत उचित रख-रखाव के अभाव में कमजोर होने लगी है तथा इसकी घड़ी अनेक वर्षों से बंद है ।

महोदय, मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि मेरठ के इस ऐतिहासिक घंटाघर को संरक्षित स्मारक घोषित करते हुए इसकी घड़ी को ठीक कराया जाए तथा इसके रख-रखाव की समुचित व्यवस्था की जाए ।

महोदय, आपने अवसर दिया, इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद ।